भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः †5220

उत्तर देने की तारीख 2 अप्रैल, 2025 (बुधवार)

12 चैत्र, 1947 (शक)

प्रश्न

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु सड़क और रेल परियोजनाएं

†5220. श्री बिप्लब कुमार देबः

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संचालित रेल परियोजनाओं और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, विशेषकर त्रिपुरा राज्य में रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए कितना बजट/धनराशि आवंटित की गई है; और

(ग) रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं से उत्तर-पूर्वी राज्यों की अर्थव्यवस्था को कितना बढ़ावा मिलने की संभावना है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग) पिछले पांच वर्ष 2019-20 से 2023-24 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्र.सं.	स्कीम का नाम	परियोजनाओं की संख्या	लंबाई (किमी में)	स्वीकृत लागत (करोड़ रूपये में)
1	रेल मंत्रालय द्वारा निर्मित रेल लाइन	18	1,368	74,972
2	सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय राजमार्ग	-	6,806	77,654
3	ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत पीएमजीएसवाई	6,793	25,011	19,448.89
4	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के अधीन सड़कें	75	1,255	4,668

रेल परियोजनाओं को ज़ोनल रेलवे के अनुसार स्वीकृत किया जाता है, न कि राज्य के अनुसार, क्योंकि रेल परियोजनाएँ राज्य की सीमाओं के पार भी हो सकती हैं। हालाँकि, त्रिपुरा राज्य

के संबंध में वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक पिछले पाँच वर्षों के दौरान सड़क परियोजनाओं के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा क्रमशः ₹4,988 करोड़, ₹606.71 करोड़ और ₹347.82 करोड़ का व्यय किया गया है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में बेहतर सड़क और रेल अवसंरचना के कारण बाजारों तक पहुंच, पर्यटन, सीमापार व्यापार, कौशल निर्माण, निर्माण कार्य रोजगार का सृजन, कम लॉजिस्टिक्स लागत, लोगों और सामग्रियों की त्वरित आवाजाही, निजी निवेश में बढ़ोत्तरी, शहरी विकास, आदि में वृद्धि हुई है।

*****